MARJ-02

June - Examination 2016

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य

Paper - MARJ-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ प्रश्न–पत्र तीन खण्डां रौ है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक अर खण्ड 'स' निबंधात्मक प्रश्नां रौ है।

सगळा प्रश्नां रै सामीं शब्द–सीमा अर अंक लिख्योड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळा प्रश्न करणा जरूरी है। उत्तर एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दाँ माय समेट सको हो।

1) (i) 'वीर–सतसई' रै अलावा सूर्यमल्ल मीसण री दूजी कुणसी रचना महताऊ है?

(ii) 'धरती धोरां री' रचना रा रचनाकार कुण है?

(iii) ''जन–जन रै मन हेत चाहिजै'' किस्यै कवि री रचना है?

(iv) सत्यप्रकाश जोशी री दो रचनावां रौ नाम लिखौ।

(v) 'सांझ' रा रचनाकार कुण है?

(vi) 'पाबूजी रै जीवण सूं जुड़ी मेघराजमुकुल री अेक रचना रौ नाम लिखौ।

(vii) राजस्थान री बिरखा रौ बरणाव रेवतदान चारण री किस्यी रचना में हुयौ है?

(viii) 'गांगेय' रचना रा नायक कुण है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा प्रश्नां मांय सूं किणी चार प्रश्नां रा जबाब लिखौ। (शब्द सीमा 200 शब्द अधिकतम–प्रति प्रश्न)।

2) कवि चन्द्रसिंह री रचना 'लू' नै आधार बणाय रेगिस्तान में 'लू' री भीषणता रौ वरणाव करौ।

3) जनकवि उस्ताद' री कविता में शोषण रै खिलाफ किण भांत आवाज उठायीजी है? समझावौ।

4) कवि कन्हैयालाल सेठिया री रचना 'लीलटांस' रचना रै आधार माथै वांरी दार्शनिक दीठ न समझावौ।

5) 'लिछमी' नै कवि रेवतदान चारण किण भांत संबोधित कर्‌यौ है।

6) नारायणसिंह भाटी रै कवितावां री भाषायी सुन्दरता नै उदाहरण साथै समझावौ।

7) 'सैनाणी' कविता रै आधार माथै राजस्थानी वीर नारी रौ चितराम मांडौ।

8) रघुराजसिंह हाडा रै गीतां रै भाव पक्ष री विशेषतावां नै समझावौ।

9) 'बोल–भारमली' रचना में भारमली री व्यथा किण भांत सामीं आयी है? समझावौ।

(खण्ड – स) **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्डां रा प्रश्नां मांय सूं दो प्रश्नां रा जबाब लिखौ।
(शब्द सीमा : 500 शब्द अधिकतम – प्रतिप्रश्न)

10) आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा सूं जुड़्यौ अेक विस्तृत निबंध लिखौ।

11) राजस्थान रा कवि स्वतंत्रता संग्राम मांय आपरी भूमिका किण भांत निभाई समझावौ।

12) 'राधा' काव्य मांय जुद्ध विरोधी भाव किण भांत सामीं आया है?

13) 'बादळी' रै आधार सूं मरु भोम मांय बादळी रै महत्त्व नै समझावौ।